Downloaded from www.studiestoday.com

अध्याय-7

समकालीन विश्व सुरक्षा

स्मरणीय बिन्दु-

सुरक्षा-

- शांति को खतरे से मुक्ति या खतरे से रक्षा।
- किसी समाज व राष्ट्र के आधारभूत केन्द्रीय मूल्यों की ऐसे किसी भी खतरे से रक्षा करना जो उन्हें नष्ट या विकृत करने वाला हो।

केन्द्रीय मूल्य = सम्प्रभुता + स्वतंत्रता + क्षेत्रीय अखण्डता।

सुरक्षा के प्रकार-

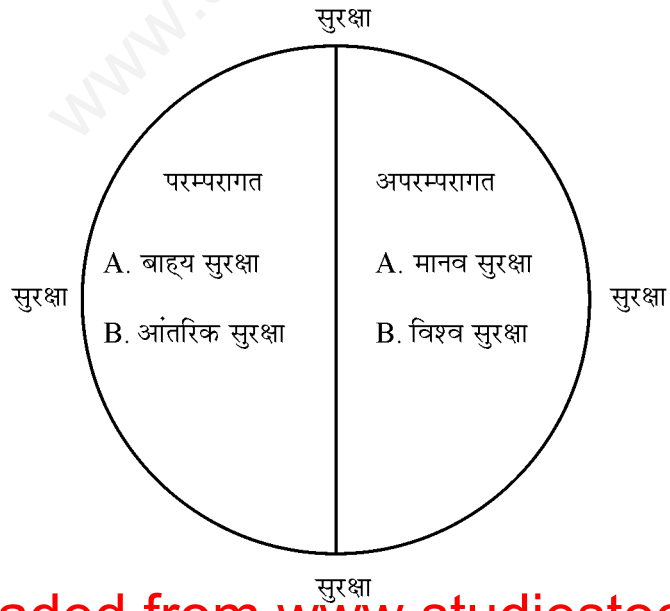

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

परम्परागत सुरक्षा :- किसी राष्ट्र की स्वतंत्रता को हानि पहुंचाने वाले खतरे से मुक्ति।

(A) **बाह्य सुरक्षा :-** दूसरे देश द्वारा किये जाने वाला आक्रमण तथा युद्ध।

बुनियादी स्तर पर किसी सरकार के पास युद्ध की स्थिति में तीन विकल्प होते हैं।

1. आत्मसमर्पण करना

2. अपरोधा :- सुरक्षा नीति का संबंध युद्ध की आशंका को रोकना है।

3. रक्षा :- युद्ध को सीमित रखने अथवा उसको समाप्त करने से होता है

परम्परागत सुरक्षा के उपाय :-

	उपाय नाम	कार्य
1.	शक्ति सन्तुलन	पड़ोसी देश के बराबर या अधिक सैन्य क्षमता का विकास
2.	सैन्य गठबंधन	अनेक देशों द्वारा सैन्य समझौते करके गठबन्धन बनाना।
3.	निशस्त्रकरण	देशों द्वारा अस्त्र-शस्त्रों के भण्डार में कटौती
4.	न्याययुद्ध	युद्ध का प्रयोग आत्म रक्षा या दूसरों को जनसंहार से बचाना।
5.	विश्वास बहाली	देशों में एक दूसरे के प्रति विश्वास की भावना का विकास।

(B) **आन्तरिक सुरक्षा :-** जब देश की शासन व्यवस्था कमजोर हो तो वहां गृहयुद्ध, आन्तरिक कलह उत्पन्न होते हैं और पड़ोसी शत्रु इसका लाभ उठाकर आक्रमण कर देते हैं।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद आन्तरिक सुरक्षा का महत्व कम होना व बाहरी खतरे की आशंका होना :-

1. पश्चिमी देशों द्वारा अपनी सीमा के अन्दर एकीकृत और शांति सम्पन्न होना।

2. पश्चिमी देशों के सामने अपनी सीमा के भीतर बसे समुदायों अथवा वर्गो से कोई गंभीर खतरा नही था।

बाहरी खतरे की आशंका :-

1. अमेरिका व सोवियत संघ को अपने ऊपर एक दूसरे से सैन्य हमले का डर था।

2. यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में वहां की जनता से युद्ध की चिंता सता रही थी ये लोग आजादी चाहते थे। जैसे फ्रांस को वियतनाम व ब्रिटेन को केन्या से जूझना पड़ा।

एशिया और अफ्रीका के नव स्वतंत्र देशों के सम्मुख सुरक्षा की चुनौतियां

1. अपने पड़ौसी देश से सैन्य हमले की आंशका। सीमा रेखा, भूक्षेत्र तथा आबादी पर नियन्त्रण को लेकर।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

2. अंदरूणी सैन्य संघर्ष :- अलगाववादी आन्दोलनों से खतरा जो अलग राष्ट्र बनाना चाहते थे।

निशस्त्रीकरण सन्धियां :-

1. जैविक हथियार सन्धि (BWC) - 1972 में 155 देशों ने जैविक हथियार उत्पादन पर रोक
2. रसायनिक हथियार सन्धि (CWC) - 1992 में 181 देशों ने रसायनिक हथियार रोक
3. एंटीबैलेस्टिक मिसाइल सन्धि (ABM) - प्रक्षेपास्त्रों के भण्डार में कमी करना
4. सामरिक अस्त्र न्यूनीकरण सन्धि (START) - घातक हथियारों की संख्या में कमी
5. सामरिक अस्त्र परिसीमन सन्धि (SALT) - 1992, घातक हथियार परिसीमन
6. परमाणु अप्रसार सन्धि (NPT) - 1968 में सन्धि, 1967 के बाद परमाणु हथियारों का निर्माण नहीं।

गैर परम्परागत सुरक्षा-

1. मानव सुरक्षा :- सुरक्षित राज्य का अर्थ जनता का सुरक्षित होना नहीं है। युद्ध मानवाधिकार उल्लंघन, जनसंहार व आतंकवाद से अधिक लोग अकाल महामारी व आपदा से मरते हैं अर्थात अभाव तथा भय से मुक्ति।
2. वैश्विक सुरक्षा :- जिन खतरों का सामना कोई देश अकेले नहीं कर सकता। यह वैश्विक प्रकृति की समस्या है इनके समाधान के लिए वैश्विक सहयोग आवश्यक है।

खतरे या भय के नवीन स्रोत :-

(A) मानवता की सुरक्षा के खतरे :-

1. आतंकवाद
2. विश्वव्यापी निर्धनता
3. असमानता
4. शरणार्थियों की जीवन बाधायें

(B) विश्व सुरक्षा के खतरे :-

1. महामारियां
2. पर्यावरण प्रदूषण
3. प्राकृतिक आपदायें
4. वैश्विक ताप वृद्धि
5. जनसंख्या वृद्धि
6. एड्स और ड्रग फैलू

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

मानवाधिकार विषयक चर्चा :-

1. राजनीतिक अधिकार जैसे अभिव्यक्ति व सभा करने की आजादी
2. आर्थिक और सामाजिक अधिकार
3. उपनिवेशकृत जनता तथा जातीय और मूलवासी अल्पसंख्यक के अधिकार

इन वर्गीकरण को लेकर व्यापक सहमति है लेकिन किसे सार्वभौम मानवाधिकार की संज्ञा दी जाए इस पर सहमति नहीं है।

मानवाधिकार की सुरक्षा :-

संयुक्त राष्ट्र संघ का घोषणापत्र में अन्तर्राष्ट्रीय बिरादरी को अधिकार देता है कि वह मानवाधिकार की रक्षा के लिए हथियार उठाये।

संयुक्त राष्ट्र संघ मानवाधिकार उल्लंघन के किस मामले में कारवाई करेगा और किसमें नहीं।

भारत की सुरक्षा रणनीतियां :-

1. अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाना
2. अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों की मजबूती में सहयोग करना।
3. आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाना
4. सामाजिक असमानता दूर करना
5. आर्थिक असमानता कम करना
6. सहयोग मूलक सुरक्षा नीति
7. सैन्य गुटबन्दी से अलग

सुरक्षा के लिए सहयोग :-

1. शक्ति संतुलन व गठबन्धन की स्थापना - सहयोग से
2. नवीन खतरे, आपदा से सुरक्षा, सेना नहीं - सहयोग से
3. आतंकवाद से सुरक्षा, सेना नहीं - सहयोग से
4. गरीबी, अशिक्षा, कुपोषण समाप्ति में अमीर देशों का - सहयोग
5. महामारियों को व बीमारियों को फैलने से रोकना - सहयोग द्वारा
6. सरकार यदि मानवाधिकारों का हनन करे तो मुक्ति के लिए जरूरी है अन्तर्राष्ट्रीय समाज का - सहयोग

एक अंकीय प्रश्न :-

1. सुरक्षा का बुनियादी अर्थ लिखिए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

2. सुरक्षा की अवधारणा कितने प्रकार की है?
3. सुरक्षा की परम्परागत अवधारणा का अर्थ बताइये।
4. कुछ देश गठबन्धन किस कारण से बनाते है?
5. परम्परागत धारणा के अनुसार सुरक्षा के कितने प्रकार होते हैं?
6. सैन्य हमले से कौन-कोन से खतरे हो सकते हैं?
7. शक्ति सन्तुलन का क्या उद्देश्य होता है?
8. सुरक्षा के लिए देशों के गठबन्धन किस प्रकार आधारित होते हैं?
9. आज विश्व का युद्ध के प्रति क्या दृष्टिकोण क्या है?
10. निम्न रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-
    1. सुरक्षा की ..... धारणा सैन्य खतरों से सम्बंध नहीं है।
11. निशस्त्रीकरण का अर्थ बताइये।
12. अपरोध से क्या अभिप्राय है?
13. संयुक्त राष्ट्रसंघ के घोषणा पत्र में मानवाधिकार के विषय में क्या कहा गया है?

दो अंकीय प्रश्न :-

1. सुरक्षा की अपरम्परागत धारणा का सम्बंध किससे है?
2. आतंकवाद से आपका क्या आशय है?
3. महाशक्तियां निशस्त्रीकरण क्यों आवश्यक मानती है?
4. विश्वास बहाली के एक उपाय का वर्णन कीजिए।
5. शब्द विस्तार लिखिये :-

   (i) SARS (ii) START
6. युद्ध का अर्थ क्या है?
7. विश्व में शांति स्थापना के दो उपाय बताइये।
8. सहयोग मूलक सुरक्षा से आपका क्या अभिप्राय है?
9. नव-स्वतंत्र देशों के सम्मुख सुरक्षा की दो चुनौतियों का वर्णन करो?
10. पश्चिमी देशों में आन्तरिक सुरक्षा के कम महत्व के दो कारण बताइये?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

चार अंकीय प्रश्न :-

1. तीसरी दुनिया के देशों तथा विकसित देशों की जनता के खतरों के अन्तर को स्पष्ट कीजिए?
2. किसी देश की युद्ध की धमकी मिलने पर उसके पास क्या विकल्प होते है?
3. महामारियां विश्व के लिए एक बहुत बड़ा खतरा है। टिप्पणी कीजिये।
4. भारत ने मानव अधिकारों को लागू करने के लिए क्या तरीके अपनाये है?
5. सुरक्षा के परम्परागत उपायों का वर्णन कीजिए।
6. सुरक्षा की परम्परागत और अपरम्परागत धारणा में अन्तर को स्पष्ट कीजिए।
7. अमेरिका पर दिये गये इस चित्र पर टिप्पणी कीजिए।

अमरीका में सुरक्षा पर तो भारी-भरकम खर्च होता है जबकि शांति से जुड़े मामलों पर बहुत कम खर्च किया जाता है। यह कार्टून इस स्थिति पर एक टिप्पणी करता है। क्या हमारे देश में हालत इससे कुछ अलग हैं?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

8. मानवाधिकार विषयक चर्चा का वर्णन कीजिए?

9. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद आन्तरिक सुरक्षा का महत्व कम व बाहरी खतरे की आशंका का प्रभाव पश्चिमी देशों पर कैसे पड़ा? वर्णन कीजिए?

छः अंकीय प्रश्न :-

1. भारत को अपनी परिस्थिति के अनुसार परम्परागत या अपरम्परागत सुरक्षा, किसे वरीयता देनी चाहिए?

2. क्या हथियारों की मदद से विश्व में शांति सम्भव हो सकती है? अपने विचार व्यक्त करें।

3. सुरक्षा की परम्परागत अवधारणा के रूप में स्पष्ट कीजिए।

4. अपरम्परागत सुरक्षा के नवीन खतरों के स्रोतों का वर्णन कीजिए।

5. भारत ने अपनी सुरक्षा की क्या रणनीतियां अपनाई हैं? अपने विचार प्रकट करो।

एक अंकीय प्रश्न के उत्तर :-

1. भय व खतरे से मुक्ति

2. दो परम्परागत व अपरम्परागत

3. युद्ध व सैन्य खतरा

4. सैन्य शक्ति बढ़ाने के लिए

5. दो - बाह्य सुरक्षा, आन्तरिक सुरक्षा

6. किसी देश की सम्प्रभुता, स्वतंत्रता, अखण्डता तथा नागरिक जीवन को खतरा

7. सन्तुलन स्थापित करके आक्रमण रोकना व शांति स्थापित करना।

8. जिन देशों के राष्ट्रीय हित समान होते हैं वे गठबन्धन बनाते हैं।

9. युद्ध आत्मरक्षा अथवा दूसरों को जनसंहार से बचाने के लिए हैं।

10. अपरम्परागत

11. शस्त्र न रखना।

12. सुरक्षा-नीति का संबंध युद्ध की आशंका को रोकना है उसे अपरोध कहते है।

13. संयुक्त राष्ट्र घोषणा पत्र अन्तर्राष्ट्रीय बिरादरी को अधिकार देता है कि वह मानवाधिकार की रक्षा के लिए हथियार उठाये।

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

1. मानवीय अस्तित्व पर चोट करने वाले खतरे।

2. निजी स्वार्थ के लिए राजनीतिक खून-खराबा तथा नागरिक हिंसा

3. 1. युद्ध की संभावना

   2. सैन्य खर्च बचाकर विकास व कल्याण बढ़ाना।

4. देशों के बीच सुरक्षा मामलों की सूचना का नियमित आदान-प्रदान

5. 1. Severe Acute Respiratory Syndrome

   2. Strategic Arms Reduction Treaty

6. (i) युद्ध-विनाश

   (ii) जन-धन हानि, विकलांगता, विधवायें, अनाथ बच्चे, बीमारियां

7. (i) एक दूसरे की अखण्डता का सम्मान

   (ii) आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप

8. अपरम्परागत खतरों के लिए सैन्य संघर्ष की बजाय आपसी सहयोग अपनाना।

9. पडौसी देशो से युद्ध व आंतरिक संघर्ष

10. 1. पश्चिमी देश अपनी सीमा के अन्दर एकीकृत और शांति सम्पन्न हैं।

    2. अपनी सीमा में बसे समुदायों तथा वर्गो से कोई खतरा नहीं था।

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. (A) तीसरी दुनिया के देशों के खतरे - भुखमरी, बेरोजगारी, जन-संख्या वृद्धि, खराब स्वास्थ्य, आर्थिक - सामाजिक पिछड़ापन आदि

   (B) विकसित देशों के खतरे - पर्यावरण प्रदूषण, प्राकृतिक संसाधनों की समाप्ति, वैश्विक तापमान वृद्धि आदि।

2. (A) आत्मसमर्पण करना

   (B) अपनी शक्ति का अति प्रदर्शन ताकि शत्रु में भय उत्पन्न हो।

   (C) युद्ध का मुकाबला करके आक्रमणकारी को हराना।

3. (A) AIDS, SARS, Mad Cow, Bird Flue का संक्रमण, जिससे मानवजाति को खतरा।

   (B) इबोला वायरस, हेंटा वायरस तथा हेपेटाइटिस C जैसी नई बीमारियों का उदय,

   (C) मलेरिया, हेंग, हैजा ने प्रतिरोधक क्षमता प्राप्त कर ली है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

4. (A) मानवाधिकारों को संवैधानिक व्यवस्था प्रदान

   (B) विभिन्न वर्गों से सम्बन्धित आयोग

   (C) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना (12 अक्टूबर 1993)

5. स्मरणीय बिन्दु देखें

6. स्मरणीय बिन्दु देखें

7. अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था पर अधिक घन तथा शांति के मामलों पर कम खर्च किया जाता है। इसका कारण यह हो सकता है कि अमेरिका को लगता है कि सैन्य बल से सुरक्षा को घतरा पहुंचता है और सैन्य बल से ही सुरक्षा कायम रखा जा सकता है। इसलिए कार्टून में लोग इसकी मांग करते दिखाये गये हैं।

8. स्मरणीय बिन्दु देखे।

9. स्मरणीय बिन्दु देखें।

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. भारत के लिए दोनों प्रकार की सुरक्षा आवश्यक है :

   (A) परम्परागत के कारण - स्वतंत्रता के बाद अनेक युद्ध 1948, 1962, 1965, 1971, 1999 लड़े, तथा देश के अनेक भागों में अलगाववादी गतिविधि है।

   (B) अपरम्परागत के कारण - विकासशील देश, गरीबी, बेकारी, साम्प्रदायिकता, सामाजिक आर्थिक पिछड़ा, बीमारियां आदि।

2. नहीं, क्योंकि हथियारों से-

   1) मानवजाति को खतरा

   2) आतंक का वातावरण बनेगा।

   3) मानवजाति के अस्तित्व की समस्या

   4) छोटे देशों पर बड़े देशों का आधिक्य होगा।

   5) सैन्य उद्देश्य की पूर्ति नहीं।

3. स्मरणीय बिन्दु देखें।

4. स्मरणीय बिन्दु देखें।

5. स्मरणीय बिन्दु देखें।

Downloaded from www.studiestoday.com